मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.02. 2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 60 अंक 02 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
फरवरी 2024 बहाई वर्ष : 180

विश्व न्याय मन्दिर

विश्व के सभी भागों में पायनीयरों के लिए उभरते अवसरों के संबंध में जागरूकता बढ़ी है – अनेक समर्पित आत्माएँ इस बात पर विचार कर रही हैं कि वे इस अवसर का प्रत्युत्तर कैसे दे सकती हैं, और अनेक अन्य लोग पहले ही पायनीयरिंग के स्थानों पर पहुंच गए हैं, अच्छी संख्या में होमफ्रंट पर, साथ ही बढ़ती संख्या में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी। यह उन अनेक तरीकों में से एक है जिसके द्वारा, जैसा कि हमने आशा की थी, हर जगह के मित्रों द्वारा पारस्परिक समर्थन की भावना व्यक्त की जा रही है।

–रिज़वान 2023

झारखण्ड में समीक्षा बैठकों का आयोजन

झारखण्ड में बहरागोड़ा क्लस्टर की दूसरी एवं चाकुलिया क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक क्रमशः 28 और 30 दिसम्बर, 2023 को 70 और 90 मित्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुईं। इस अवसर पर सहायक मण्डल सदस्य भी मुख्य रूप से उपस्थित हुईं। बैठकों की शुरुआत भक्तिमय वातावरण में बच्चों, किशोरों एवं युवाओं द्वारा प्रार्थनाओं के माध्यम से की गई। इसके उपरांत स्थानीय मित्रों की सहायता से क्लस्टर में संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा इसके महत्व एवं अनिवार्यता को सहायक मंडल सदस्य ने स्पष्ट किया। बच्चों, किशोरों तथा युवाओं ने कक्षाओं के दौरान सीखे गए अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही कुछ कलाकृतियाँ एवं गीत–संगीत की भी प्रस्तुति की गई। इसके उपरांत आगामी तीन महीनों की योजना स्थानीय मित्रों के साथ बनाई गई जिसके अंतर्गत बहरागोड़ा में 8 मित्रों की सहायता से 4 दल एवं चाकुलिया में 10 मित्रों की सहायता से 5 दल बनाये गए जो आगामी 10 दिनों तक प्रसार के कार्यों में संलग्न होंगे। इन दोनों स्थानों पर हुई समीक्षा बैठक आंशिक रूप से आत्मनिर्भर थी जिसको सफल बनाने में स्थानीय मित्रों ने पूरा सहयोग एवं हर संभव मदद की। चाकुलिया क्लस्टर अपनी इस पहली समीक्षा बैठक के साथ दूसरे मील के क्लस्टर पर पहुंचा। वर्तमान में यहाँ 8 बहाई बाल कक्षा, 5 किशोर समूह, 3 अध्ययनवृत समूह तथा 68 नियमित भक्तिपरक सभाएँ संचालित की जा रही हैं, जिसमें क्रमशः 51, 25, 22 तथा 408 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। यहाँ 22 मित्रों ने रूही पुस्तक–1, 10–10 मित्रों ने रूही पुस्तक–3 तथा 5 का अध्ययन पूरा किया है। इस क्लस्टर के दो गांवों में गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं तथा नाभिक दल में कुल 8 मित्र शामिल हैं। इसी प्रकार बहरागोड़ा क्लस्टर में भी बहाई बाल कक्षा 7, किशोर समूह 6, अध्ययनवृत समूह 3 तथा भक्तिपरक सभाएँ 80 संचालित की जा रही हैं जिसमें प्रतिभागी क्रमशः 41, 36, 26 तथा 224 शामिल हो रहे हैं यहाँ कुल तीन गांव में गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं तथा नाभिक दल में छः मित्र शामिल हैं। यहाँ रूही पुस्तक–1 26 मित्रों ने, पुस्तक–3 आठ मित्रों ने, पुस्तक–3 ग्रेड एक 11 मित्रों ने, पुस्तक–5 पाँच मित्रों ने तथा पुस्तक–11 एक मित्र ने पूरी की है।



चाकुलिया क्लस्टर की प्रथम समीक्षा बैठक के दौरान मित्रगण

इस अंक में

कर्नाटक के मैसूर में शीतकालीन स्कूल का आयोजन

कर्नाटक राज्य बहाई परिषद द्वारा मैसूर बहाई भवन में 29 से 31 दिसम्बर, 2023 तक तीन दिवसीय शीतकालीन स्कूल का आयोजन किया गया। आठ क्षेत्रों के बच्चों सहित लगभग 50 मित्रों ने इस स्कूल में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से की गई। पहले दिन स्वागत भाषण के बाद सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया, संविदा के विषय पर चर्चा की गई। ईश्वर की अवधारणा, ईश्वर का प्रकटीकरण, ईश्वर और आत्मा के बीच समझौता और प्रगतिशील प्रकटीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभुधर्म की केंद्रीय विभूतियों के स्थान और प्रशासनिक व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई।

पहले दिन चर्चा किए गए अन्य विषयों में उन्नीस दिवसीय पर्व का महत्व, एक सुसंगत जीवन जीना और एक विस्तृत दृष्टिकोण – प्रयासों के तीन क्षेत्रों का महत्व शामिल था। बच्चों द्वारा उन्नीस दिवसीय पर्व पर लघु नाटिका और गीत को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया।

विश्व न्याय मन्दिर द्वारा जारी की गई फिल्म ''द इक्स्पैन्सिव प्रॉस्पेक्ट'' सभी प्रतिभागियों को दिखाई गई। सत्र के बीच–बीच में बच्चों और किशोरों द्वारा प्रस्तुत गीतों और लघु नाटिकाओं ने प्रतिभागियों का मनोरंजन किया।

शीतकालीन स्कूल के दूसरे दिन की शुरुआत योग और भक्ति के साथ हुई। जिन विषयों पर चर्चा हुई उनमें बहाई चुनावों की पवित्रता, प्रभुधर्म का शिक्षण, पायनियरिंग और क्लस्टरों का अभिगमन शामिल था। विश्व न्याय मन्दिर के संदेशों 25 मार्च 2007 और 30 दिसंबर 2021 के संदेश के प्रासंगिक गद्यांशों का विस्तार से अध्ययन किया गया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरूआत बच्चों एवं मित्रों की प्रार्थना से हुई। हुकूकुल्लाह के प्रतिनिधि द्वारा हुकूकुल्लाह के विधान और बहाई कोष में दान देने पर विस्तार से चर्चा की गई। ''नौ वर्षीय योजना में मेरी भूमिका'' विषय पर चर्चा ने प्रतिभागियों का स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन किया कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति को विस्तृत समाज को प्रभुधर्म के निकट लाने में अपना स्थान ढूंढना है।



मैसूर के शीतकालीन स्कूल में भाग लेने वाले मित्रगण

इसके उपरांत धन्यवाद ज्ञापन और कार्यक्रम के लिए धन जुटाने का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का समापन सभी क्लस्टरों द्वारा बनाई गई योजनाओं की सफलता के लिए ''अहमद की पाती'' प्रार्थना के साथ किया गया।

शीतकालीन स्कूल में एकत्रित मित्रों के त्यागपूर्ण योगदान से कार्यक्रम आत्मनिर्भर रहा।

बहाई विवाह



मणिपुर की सुश्री कल्पना शगोलसेम और गुजरात के श्री तुषार गावित का विवाह 24 नवम्बर, 2023 को गुवाहाटी बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



महाराष्ट्र की सुश्री अहंता शोगी और मलेशिया के श्री प्रशांत के का विवाह 19 दिसम्बर, 2023 को मलेशिया में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री उदित रस्तोगी और सुश्री प्रेरणा रखेजा का विवाह 20 दिसम्बर, 2023 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



जर्मनी के श्री साइरस ज़ेलर और पुणे की सुश्री तारिणी दलाल का विवाह 21 दिसम्बर, 2023 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में पुणे में सम्पन्न हुआ।

बहाई विवाह



ओडिशा की सुश्री मार्था साहू और महाराष्ट्र के श्री सिद्धिविनायक शिंदे का विवाह 24 दिसम्बर, 2023 को ओडिशा में बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



असम में कोकराझार की सुश्री अलीशा नारजारी और श्री सुनील नारजारी का विवाह गुवाहाटी बहाई भवन में 25 जनवरी, 2024 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

विश्व न्याय मंदिर

सचिवालय विभाग

17 जनवरी 2024

ईमेल द्वारा प्रेषित

सभी राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं को

प्रिय बहाई बंधुओं,

विश्व न्याय मंदिर ने हमें आपको यह बताने को कहा है कि, पवित्र भूमि में जबतक स्थिति अस्थिर बनी रहती है, 12 फरवरी 2024 से तीर्थयात्रियों का स्वागत किया जाएगा और यह कि, तत्काल प्रभाव से, मित्रगण पवित्र समाधियों पर प्रार्थना करने के लिए संक्षिप्त यात्राओं पर आने के लिए एक बार फिर से निवेदन कर सकते हैं; कृपया अपने समुदाय के सदस्यों को इस सूचना से अवगत करा दें।

जो मित्र वर्तमान समय में आना चाहते हैं उनसे आग्रह किया जाता है कि वे अपनी–अपनी सरकारों के यात्रा सम्बंधी परामर्श पर समुचित रूप से विचार करें और स्वयं अपने विवेक का प्रयोग करें कि उन्हें कब आना चाहिए। वर्तमान में धर्मानुयायियों से आग्रह किया जाता है कि वे पवित्र भूमि में अपने निवास की अवधि को बहाई विश्व केंद्र की यात्रा के लिए वांछित अवधि से और अधिक आगे न बढ़ाएं।

स्नेहपूर्ण बहाई शुभकामनाओं के साथ,
सचिवालय विभाग

सिक्किम में किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों की बहाई कक्षा के ग्रेड 2 के सफल समापन के बाद, छठी कक्षा के छात्र किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम में कदम रखते हैं।

सिक्किम में नैतिक कक्षाओं की टीम के प्रयासों से, इस साल पहली बार, संपुष्टि की सुरभि से लेकर व्यवस्थित मस्तिष्क की आदतों तक किशोर स्तर की पुस्तक का पाठ पूरा कर सके। ये कार्य सरल नहीं था। काफी विचार–विमर्श और उच्च संस्थानों से मार्गदर्शन लेने के बाद, किशोर समूह साल भर में तीन पुस्तकें पूर्ण कर सके। अकादमिक अध्ययन के साथ–साथ इन तीन पुस्तकों को जारी रखना काफी चुनौतीपूर्ण था और दिन भी पर्याप्त नहीं थे, इसलिए पुस्तकों के स्तर को पूरा करने के लिए वर्ष के मध्य में बैग रहित दिनों की व्यवस्था की गई। ये बैग रहित दिन स्कूल परिसर के भीतर तक सीमित नहीं थे। कक्षा 6 के किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के 65 छात्रों के साथ पास के पेंदाम नामक स्थान, जो सिक्किम का विकसित क्लस्टर है वहां पर ले जाने की व्यवस्था की गई, जहाँ एक क्लस्टर सुविधा भवन भी है। अतः पुस्तकों को पूर्ण करने के लिए बैग रहित दिनों की शुरुआत की गई।

नैतिक कक्षाओं की टीम ने उन तरीकों का पता लगाने का प्रयास किया जहां किशोर एक वर्ष में कम से कम 3 स्तर की पुस्तकें पूरी कर सकें। इसे सफल बनाने के लिए नैतिक टीम ने किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम शिविर का विचार रखा। पेंडम में किशोर शिविर के लिए कक्षा 6 के सभी छात्रों की पहचान की गई थी। स्थान का चयन बुद्धिमानी से किया गया था ताकि छात्र न केवल शिविर के आध्यात्मिक पहलू का ज्ञान प्राप्त कर सकें, बल्कि कुछ दिनों के लिए ही सही, उसे जी सकें और समझ सकें। ग्रामीण इलाकों का जीवन जहां क्षेत्र भ्रमण जैसे विभिन्न स्थानों और अवसरों का सृजन किया गया। क्षेत्र में छात्रों ने किसानों के साथ बातचीत की और कृषि उत्पादन के विभिन्न तरीकों के बारे में जाना। ऐसा करने से शहरी बस्तियों के छात्रों को कृषि और पशुपालन को करीब से समझने का अवसर मिला। इतना ही नहीं उन्हें खुद भी उस गांव के किसानों के साथ खेतों में काम करने का अवसर मिला।

व्यक्तिगत स्वच्छता, सहयोग, जिम्मेदारी की भावना, समस्या समाधान, निर्णय लेने, रचनात्मक सोच और पारस्परिक कौशल आदि पर आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्रों द्वारा विभिन्न जीवन कौशल को बढ़ाया और कार्यान्वित किया गया। अधिकांश शहरी छात्र एकल परिवार से हैं उन्होंने छात्रों और साथियों के साथ एक सार्वजनिक छात्रावास साझा किया जहां उन्होंने सहयोग, समन्वय, दोस्ती, देखभाल और मदद आदि जैसे गुण सीखे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जीवन जीने का सही तरीका अनुभव किया गया। वे अपने मोबाइल फोन, टेलीविजन और सोशल मीडिया के उपयोग से समग्र रूप से दूर थे। पहले, प्रार्थना छात्रों के लिए केवल एक औपचारिकता थी जो औपचारिक शैक्षणिक स्कूल में सुबह की सभाओं, कक्षाओं आदि में की जाती थी। लेकिन इस किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम शिविर के दौरान पवित्र लेखों के साथ–साथ प्रार्थना के महत्व को सीखा और अभ्यास किया गया, जो उन्होंने शिविर के दौरान अपने स्तर की पुस्तकों में सीखा था। कुछ अभिभावक भी स्वेच्छा से शिविर में आये, उन्होंने शिविर में भाग लेने की इच्छा दिखाकर और सबसे महत्वपूर्ण रूप से पूरे शिविर में खाना पकाने, सफाई और छात्रों की निगरानी में नैतिक टीम और स्कूल की सहायता करके इसे सफल बनाने में समर्थन दिया।



सिक्किम में आयोजित किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्य करते किशोर

छपरा में बाल मेले का आयोजन

बिहार में हाजीपुर उपक्षेत्र के छपरा क्लस्टर में बाल मेले का आयोजन 31 दिसम्बर, 2023 को किया गया। बाल मेले में विशेष रूप से महाद्वीपीय सलाहकार एवं सहायक मंडल सदस्य उपस्थित थे। वास्तव में यह मेला हृदय को आनंदित करने और आध्यात्मिक ऊष्मा प्रदान करने वाला था। यह मेला जहाँ उल्लासित वातावरण में आयोजित हो रहा था वहीं अर्थपूर्ण सामाजिक मुद्दे को समाहित किए हुए था, जिसमें बाल–विवाह, दहेज प्रथा, पर्यावरण, सोशल मीडिया का युवाओं और बच्चों पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव, शराबबंदी जैसे विषय सम्मिलित थे। सबसे खास बात यह थी कि सभी बच्चे और किशोर अपनी कक्षा में सीखे गए विषय को गीत, उद्धरण व खेल के माध्यम से अच्छे से प्रस्तुत कर पा रहे थे। यह सब कुछ दिखलाता है कि वहाँ के मानव–संसाधन कितनी गंभीरता और सचेतना के साथ अपने समुदाय में बच्चों और किशोर कक्षा का आयोजन नियमित रूप से कर रहे हैं और पूरे समुदाय को बहाउल्लाह की शिक्षाओं की ओर अभिगमन करने में मदद कर रहें हैं।

छपरा क्लस्टर की संयोजक कार्यक्रम को बहुत अच्छे से संचालित कर रही थीं। साथ ही, समय–समय पर सभी को बहाई गतिविधि, बहाई धर्म का उद्देश्य एवं बहाउल्लाह की शिक्षाओं से अवगत भी करा रही थी और सभी उसके मित्र कार्यक्रम में उनका बहुत सहयोग कर पा रहे थे, जिसके कारण यह मेला समुदाय को आगे बढ़ाने में, अन्य युवाओं को प्रोत्साहित करने और गतिविधि में जुड़ने में मदद करेगा। इस पूरे कार्यक्रम में 3 समुदाय से लगभग 550 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें उस पंचायत के मुखिया, अभिभावक, युवा, किशोर और बच्चे शामिल हुए।



बिहार के छपरा क्लस्टर में आयोजित बाल मेले का दृश्य

''अय्याम–ए–हा''

बहाई कैलेण्डर में वर्ष में 18वें तथा 19वें महीनों के बीच 4 और कभी–कभी 5 दिन ऐसे होते हैं जिन्हें **''अय्याम–ए–हा''** (लोंद के दिन) कहा जाता है। इन दिनों का अपना ही एक महत्व होता है यह उपवास से पहले के दिन होते हैं जिन दिनों में बहाई अपने मित्रों तथा सम्बन्धियों को प्रीतिभोज देते हैं या अपने में से गरीब लोगों को खाना खिलाते हैं। दान देने के उद्देश्य से भी ये दिवस बहुत ही उत्तम और पवित्र माने गये हैं। उन्नीसवें महीने, 'उच्चता' (अला) के आरम्भ के साथ ही हमारे उपवास का समय आरम्भ हो जाता है।

''अय्याम–ए–हा'' के विशेष दिनों के अवसर पर आप सभी मित्रों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

बानमोर क्लस्टर में बाल एवं किशोर मेला

मध्य प्रदेश के बानमोर समुदाय में 31 दिसम्बर 2024 को बड़ापुरा गाँव में स्थापित ट्यूटोरियल क्लास में भाग लेने वाले बच्चों एवं किशोरों के लिए बाल एवं किशोर मेले का आयोजन बडे ही हर्षोल्लास से किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा गीत–संगीत एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर गांव के गणमान्य लोगों के साथ बच्चों के अभिभावकों को मिलाकर लगभग 250 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मित्रों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई, जो पूरी तरह से आत्म–निर्भर रहा। मित्रों ने कार्यक्रम में टेन्ट से लेकर साउण्ड सिस्टम तक की व्यवस्था को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

इसी प्रकार दो अन्य बाल और किशोर मेला का आयोजन बानमोर समुदाय के चक्कगांव और कनकटपुरा में स्थित सामुदायिक विद्यालय में किया गया, इस कार्यक्रम में भी समुदाय के बच्चों एवं किशोरों ने बढ़–चढ़ कर न सिर्फ भाग लिया बल्कि समुदाय में चल रही बहाई बाल नैतिक कक्षा एवं किशोर कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सीख व अवधारणाओं को ध्यान में रखते हुए सुन्दर और मनमोहक कलात्मक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं जो उपस्थित मित्रों के हृदयों को सीधा छू रही थीं। इन कार्यक्रमों के दौरान समुदाय में सेवारत शिक्षक और अनुप्रेरकों द्वारा प्रदान की जा रही निःस्वार्थ सेवा की अवधारणा व उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके स्वंय के जीवन में हो रहे बदलावों को सभी के साथ साझा किया।





बानमोर क्लस्टर में आयोजित बाल एवं किशोर मेले के प्रतिभागी

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल–गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनाएँ फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

देवलाली में युवा सम्मेलन



महाराष्ट्र में देवलाली की स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा 14 दिसम्बर, 2023 को बहाई भवन में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छोटे समूहों में युवा सम्मेलन के दस्तावेज का अध्ययन किया गया। युवाओं द्वारा कला का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने अपने गांव और मुहल्लों की वास्तविकता को रेखांकित किया। इस कला के माध्यम से गांव की आध्यत्मिक और भौतिक तथा सामाजिक वास्तविकता को दर्शाया गया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं द्वारा अपनी कलाओं का प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें 120 से अधिक युवाओं ने भाग लिया जिसमें 90 युवा नये थे। समिति द्वारा इन 90 मित्रों के साथ सघन अभियान और अध्ययन चक्र की योजना बनाई गई। इस कार्यक्रम के आयोजन में धामणगांव अकोले और देवलाली स्थानीय आध्यामिक सभा द्वारा सहायता प्रदान की गई।

नादेऊ गाँव में समीक्षा बैठक



उत्तर प्रदेश में ग्रुप ऑफ क्लस्टर तालग्राम के अंतर्गत आने वाले नादेमऊ गाँव में समीक्षा बैठक और संस्थागत बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी गतिविधियों के सब–रीजनल सहित सहायक मंडल सदस्य और परिषद सदस्य भी सम्मिलित हुए। इस बैठक में सभी गतिविधियों की समीक्षा की गई और अगले चक्र की योजना को भी अंतिम रूप दिया गया।

सूचना

प्रिय मित्रगण,

आपको सूचित किया जाता है कि महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल द्वारा श्री रोशन कुमार को बिहार के लिए सहायक मण्डल सदस्य (प्रसार) नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 16 जनवरी, 2024 से 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

साथ ही, बिहार के सहायक मण्डल सदस्य श्री राकेश राज को (प्रसार) से (संरक्षण) का दायित्व दिया गया है।

इसके अलावा, श्री जयदीप महालती का सेवा क्षेत्र बदलकर अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखण्ड हो गया है, जहाँ वे सहायक मण्डल सदस्य (संरक्षण) के रूप में अपनी सेवाएँ जारी रखेंगे।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.02.2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)